इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No. **59/OS/2**
कोड नं.

Set / सेट **B**

हिन्दी
(201)

Day and Date of Examination ....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

Signature of Invigilators 1. ....
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)

2. ....

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्नपत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. कृपया प्रश्नपत्र को जाँच लें कि प्रश्नपत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से **कोई एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर-पुस्तिका में आप सही उत्तर लिखिए।
4. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के साथ-साथ सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित अवधि के भीतर ही देने हैं। वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के लिए अलग से समय नहीं दिया जाएगा।
5. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा।
6. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्नपत्र की कोड संख्या 59/OS/2 सेट B लिखें।

हिन्दी
(201)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नों के लिए निर्धारित अंक उनके सामने दिए गए हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **15-20** शब्दों में लिखिए : 1×6=6

(क) 'बीती विभावरी जाग री' कविता में 'जाग री' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? कवि उसे क्यों जगाना चाहता है?

(ख) 'उनको प्रणाम' कविता में कवि सफलता से अधिक महत्त्व किसे देता है?

(ग) ''सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदै सोइ।'' प्रस्तुत पंक्ति का भाव समझाइए।

(घ) 'आह्वान' कविता में कवि ने किन्हें पौरुष का पाठ पढ़ने के लिए कहा है?

(ङ) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में किस परिवेश का चित्रण है?

(च) 'आज़ादी' कविता में 'नन्हे से बछड़े द्वारा उछल-कूद मचाना' से कवि का क्या आशय है?

2. निम्नलिखित काव्यांश किस पाठ से लिया गया है? इसके कवि के नाम का उल्लेख करते हुए काव्यांश का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 5

जो उच्च शिखर की ओर बढ़े
रह-रह नव-नव उत्साह भरे;
पर कुछ ने ले ली हिम-समाधि
कुछ असफल ही नीचे उतरे!
– उनको प्रणाम!

अथवा

करत-करत अभ्यास तें, जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत-जात तें, सिल पर परत निसान।।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×5=5

(क) कबीर ने कुम्हार और घड़े के माध्यम से किसके सम्बन्ध को दर्शाया है?

(A) गुरु और शिष्य (B) ईश्वर और भक्त
(C) प्यास और पानी (D) मिट्टी और कुम्हार

(ख) 'आह्वान' कविता के अनुसार जो भाग्य के भरोसे रहता है, उसे क्या कहते हैं?

(A) भाग्यहीन (B) भाग्यवादी
(C) भाग्यवान (D) भाग्यशाली

(ग) 'आज़ादी' कविता में अंधकार से प्रकाश की ओर उन्मुख होने का क्या आशय है?

(A) बंधन से छुटकारा पाना
(B) अज्ञान से ज्ञान की ओर जाना
(C) अँधेरे में दीपक जलाना
(D) सूर्योदय की दिशा में जाना

(घ) 'चंद्रगहना से लौटती बेर' कविता में हृदय का दान से क्या अभिप्राय है?

(A) इज्ज़त देना
(B) भला चाहना
(C) प्यार करना
(D) हृदय का प्रत्यारोपण

(ङ) 'इसे जगाओ' कविता में जगाने का अनुरोध सूर्य, पवन और पक्षी से ही क्यों किया गया है?

(A) वे अनुभवी हैं
(B) वे प्रगतिशील हैं
(C) वे प्राकृतिक हैं
(D) वे क्रियाशील हैं

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लगभग **25-25** शब्दों में लिखिए : 2×3=6

(क) 'उनको प्रणाम!' कविता का मूल भाव क्या है?

(ख) धन संग्रह आवश्यकता के अनुकूल ही क्यों अच्छा होता है? कबीरदास के कथन का आशय बताइए।

(ग) ''पर कर्म-तैल बिना कभी विधि-दीप जल सकता नहीं।'' 'आह्वान' कविता के आधार पर कवि ने उक्त पंक्ति द्वारा क्या संदेश दिया है?

(घ) 'चन्द्रगहना से लौटती बेर' कविता में बगुले को शोषक वर्ग का प्रतीक क्यों माना है?

5. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **50** शब्दों में लिखिए : 3

'बीती विभावरी जाग री' कविता के आधार पर प्रातःकालीन प्रकृति का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

अथवा

'चन्द्रगहना से लौटती बेर' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि प्रेम के लिए प्रकृति को नगरों की अपेक्षा अधिक उपजाऊ क्यों कहा गया है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **15-20** शब्दों में दीजिए : 1×7=7

(क) 'अनौपचारिक पत्र' के किन्हीं दो सम्बोधनों का उल्लेख कीजिए, जिनका प्रयोग आप अपने से बड़े लोगों के लिए करते हैं।

(ख) ''बिना प्रसव के माँ बन सकती है।'' 'रॉबर्ट नर्सिंग होम में' यह वाक्य किसके लिए प्रयुक्त हुआ और क्यों?

(ग) साक्षात्कार (इंटरव्यू) किसे कहते हैं? 'अख़बार की दुनिया' नामक पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'सुखी राजकुमार' कहानी में गौरैया राजकुमार के कुरूप होने की प्रक्रिया में उससे और अधिक प्रेम क्यों करने लगती है?

(ङ) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' निबन्ध में 'नाखून का बढ़ना' से लेखक क्या बताना चाहता है?

(च) 'बहादुर' कहानी में मध्यवर्गीय परिवार द्वारा नौकर रखना उनकी किस मानसिकता को दर्शाता है?

(छ) 'गिल्लू' कहानी में लेखिका को पहली बार गिल्लू किस स्थिति में दिखाई दिया था?

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के रूप में दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प छाँटकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए : 1×6=6

(क) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी में मिरज़ा साहब के मन में मीर साहब के प्रति प्रतिकार की भावना आती जा रही थी, क्योंकि

(A) मीर उनके कट्टर शत्रु थे
(B) मिरज़ा शतरंज में लगातार हार रहे थे
(C) उनकी बेगम ने उन्हें भड़काया था
(D) उन्हें सिपाही उकसाते थे

(ख) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' पाठ में लेखक का 'मरे हुए बच्चे को गोद में दबाए रखने वाली बंदरिया' का उदाहरण देने का क्या उद्देश्य है?

(A) रूढ़ियों का मोह त्यागो
(B) नए को शंका की दृष्टि से देखो
(C) मोह-ममता को बनाए रखो
(D) परंपराओं का पालन करो

(ग) 'अपना-पराया' पाठ के अनुसार, छींक आने और नाक से पानी बहने से हमें

(A) हानिकारक पदार्थों से मुक्ति मिलने की संभावना होती है
(B) नाक में तकलीफ़ और जलन होती है
(C) कहीं बाहर जाने पर अपशकुन होता है
(D) मौसम के बदलने की सूचना मिलती है

(घ) 'अंधेर नगरी' नाटक में गोबरधन दास द्वारा अपने गुरु जी को पुकारने का क्या उद्देश्य था?

(A) राजा को फाँसी पर चढ़वाना
(B) राजा से प्रजा की रक्षा करवाना
(C) शुभ मुहूर्त का पता लगाना
(D) खुद को फाँसी से बचाना

(ङ) ''माँ-बाप का कर्ज़ा तो जन्म भर भरा जाता है''—'बहादुर' कहानी में बहादुर के इस कथन से पता लगता है कि

(A) उसे माता-पिता द्वारा लिया गया कर्ज़ा चुकाना है
(B) उसे माता-पिता के प्रति अपने कर्त्तव्य का बोध है
(C) उसके माता-पिता जीवन भर कर्ज़ चुकाते रहे
(D) उसने माता-पिता से बहुत सारा पैसा लिया है

(च) 'गिल्लू' रेखाचित्र में लेखिका गिल्लू को अपने कमरे में क्यों लाई?

(A) अन्य पशु-पक्षियों से मिलाने के लिए
(B) अपने घर के लोगों को दिखाने के लिए
(C) उसका जीवन बचाने के लिए
(D) उसे पालतू बनाने के लिए

8. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1+2+2=5

गिल्लू को जाली के पास बैठकर अपनेपन से बाहर झाँकते देखकर मुझे लगा कि इसे मुक्त करना आवश्यक है। मैंने कीलें निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया और इस मार्ग से गिल्लू ने बाहर जाने पर सचमुच ही मुक्ति की साँस ली। इतने छोटे जीव को घर में पले कुत्ते-बिल्लियों से बचाना भी एक समस्या ही थी। आवश्यक कागज-पत्रों के कारण मेरे बाहर जाने पर कमरा बंद ही रहता है। मेरे कॉलेज से लौटने पर जैसे ही कमरा खोला गया और मैंने भीतर पैर रखा, वैसे ही गिल्लू अपने जाली के द्वार से भीतर आकर मेरे पैर से सिर और सिर से पैर तक दौड़ लगाने लगा। तब से यह नित्य का क्रम हो गया।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और उसके रचयिता का नाम लिखिए।

(ख) ''गिल्लू ने बाहर जाने पर सचमुच ही मुक्ति की साँस ली।'' कथन का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) पशु-पक्षियों के प्रति समाज में बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए आप क्या कदम उठाएँगे?

अथवा

मनुष्य पशु से किस बात में भिन्न है आहार-निद्रा आदि पशु-सुलभ स्वभाव उसके ठीक वैसे ही हैं, जैसे अन्य प्राणियों के। लेकिन वह फिर भी पशु से भिन्न है। उसमें संयम है, दूसरे के सुख-दुःख के प्रति समवेदना है, श्रद्धा है, तप है, त्याग है। ये मनुष्य के स्वयं के उद्भावित बंधन हैं। इसीलिए मनुष्य झगड़े-टन्टे को अपना आदर्श नहीं मानता, गुस्से में आकर चढ़ दौड़ने वाले अविवेकी को बुरा समझता है एवं वचन, मन एवं शरीर से किए गए असत्याचरण को गलत आचरण मानता है। यह किसी भी जाति या वर्ण या समुदाय का धर्म नहीं है, यह मनुष्य मात्र का धर्म है। 'महाभारत' में इसीलिए निर्वैर भाव, सत्य और अक्रोध को सब वर्णों का सामान्य धर्म कहा है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) मनुष्य किस प्रकार के व्यवहार को आदर्श की श्रेणी में नहीं स्वीकारता?

(ग) कैसे कहा जा सकता है कि मनुष्य निरन्तर पशुवत् व्यवहार की ओर अग्रसर होता हुआ अधर्म के मार्ग पर पहुँच गया है?

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर लगभग **40-50** शब्दों में लिखिए : 3×3=9

(क) 'सुखी राजकुमार' कहानी के अन्त में ईश्वर के कहने पर देवदूत कौन-सी दो वस्तुएँ नगर से ले गए? वे दोनों वस्तुएँ मूल्यवान क्यों मानी गईं?

(ख) 'अख़बार की दुनिया' पाठ के आधार पर बताइए कि कागज़ पर छपने वाले अख़बार और इलेक्ट्रॉनिक अख़बार में क्या-क्या अंतर हैं।

(ग) 'रॉबर्ट नर्सिंग होम में' लेखक ने अपने मन में ऐसा क्यों सोचा कि ''हम भारतवासी गीता को कंठ में रखकर धनी हुए, पर तुम उसे जीवन में ले कृतार्थ हुईं''। प्रस्तुत पंक्ति का भाव भी स्पष्ट कीजिए!

(घ) 'बहादुर' कहानी में वाचक का पछतावा बहुत महत्त्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लगभग **20-20** शब्दों में लिखिए : 2×4=8

(क) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि मुहल्लेवाले, घर के नौकर-चाकर तक शतरंज के खेल को मनहूस क्यों कहते थे।

(ख) 'अपना-पराया' पाठ के आधार पर बताइए कि असंख्य रोगाणु शरीर के भीतर किस मार्ग से जाने के लिए घात लगाए बैठे रहते हैं। कोई दो उदाहरण दीजिए।

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक में चूरनवाला अपना चूरन बेचते हुए किन लोगों पर व्यंग्य करता है? किन्हीं चार के नाम लिखिए।

(घ) 'बहादुर' कहानी के आधार पर बताइए कि जब बहादुर को अपने घर की याद आती थी, तो वह क्या करता था।

(ङ) अंतरिक्ष से जुड़े कौन-से शोध-कार्य थे, जिन्हें पूरा करने के लिए कल्पना चावला अभियान-दल के साथ अंतरिक्ष में गईं?

11. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×10=10

(क) किसी **एक** समस्त पद का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए :
भारतवासी, राजा-रंक

(ख) सन्धि विच्छेद कीजिए :
विद्यालय, कवीश

(ग) 'अनु' और 'प्रति' उपसर्ग से एक-एक शब्द बनाइए।

(घ) 'आलु' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

(ङ) तुम खाना खाकर पढ़ने बैठ जाओ। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(च) जहाँ भी मैं गई, जलभराव के कारण सड़कें तालाब बनी हुई थीं।
(रचना के आधार पर वाक्य-भेद बताइए)

(छ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए :
(i) जो सब कुछ जानता हो *(ii)* किए उपकार को न मानने वाला

(ज) **दो** पर्यायवाची शब्द लिखिए :
जल **अथवा** गंगा

(झ) किसी **एक** मुहावरे का वाक्य-प्रयोग कीजिए :
'उल्लू बनाना', 'एड़ी-चोटी का जोर लगाना'

(ञ) वाक्य को शुद्ध रूप में लिखिए :
कृपया करके मेरा नाम भी लिख लीजिए।

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

माटी, तुझे प्रणाम!
मेरे पुण्यदेश की माटी, तू कितनी अभिराम!
तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर,
क्षण-भर में ही भूल गया मैं शत्रु-यंत्रणा क्रूर,
सुख-स्फूर्ति का इस काया में हुआ पुनःसंचार—
लगता जैसे आज युगों के बाद मिला विश्राम!
माटी, तुझे प्रणाम!

तुझसे बिछुड़ मिला प्राणों को कभी न पल-भर चैन,
तेरे दर्शन हेतु रात-दिन तरस रहे थे नैन,
धन्य हुआ तेरे चरणों में आकर यह अस्तित्व—
हुई साधना सफल, भक्त को प्राप्त हो गए राम!
माटी, तुझे प्रणाम!

अमर मृत्तिके! लगती तू पारस से बढ़कर आज,
कारा-जड़ जीवन सचेत फिर, तुझको छूकर आज,
मरणशील हम, किन्तु अमर तू, है अमर्त्य यह धाम—
हम मर-मर कर अमर करेंगे तेरा उज्ज्वल नाम!

(क) कवि किसे प्रणाम कर रहा है? उसे 'पुण्यदेश की' क्यों कहा है?
(ख) मातृभूमि को प्रणाम करने के बाद कैसी अनुभूति होती है?
(ग) माटी से बिछुड़ने तथा मिलने पर कवि को कैसा अनुभव हुआ?
(घ) ''अमर मृत्तिके! लगती तू पारस से बढ़कर आज''—इस पंक्ति में किस भाव को व्यक्त किया गया है?
(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए—''हम मर-मर कर अमर करेंगे तेरा उज्ज्वल नाम!''

13. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

पड़ोस सामाजिक जीवन के ताने-बाने का महत्त्वपूर्ण आधार है। दरअसल पड़ोस जितना स्वाभाविक है, हमारी सामाजिक सुरक्षा के लिए तथा सामाजिक जीवन की समस्त आनंदपूर्ण गतिविधियों के लिए वह उतना ही आवश्यक भी है। यह सच है कि पड़ोसी का चुनाव हमारे हाथ में नहीं होता, इसलिए पड़ोसी के साथ कुछ न कुछ सामंजस्य तो बिठाना ही पड़ता है। पड़ोसी से परहेज रखना अथवा उससे कटे-कटे रहने में अपनी ही हानि है क्योंकि किसी भी आकस्मिक आपत्ति अथवा आवश्यकता के समय अपने रिश्तेदारों अथवा परिवार वालों को बुलाने में समय लगता है। पड़ोसी चाहे कैसा भी हो, उससे अच्छे संबंध रखने ही चाहिए। जो अपने पड़ोसी से प्यार नहीं कर सकता वह भला समाज तथा देश से क्या जुड़ेगा।

विश्व-बंधुत्व की बात भी तभी मायने रखती है जब हम अपने पड़ोसी से निभाना सीखें। प्रायः जब भी पड़ोसी से खटपट होती है या अवरोध पैदा हो जाते हैं उसके पीछे प्रमुख कारण होता है आवश्यकता से अधिक अपेक्षा करना। कभी-कभी बच्चों में जाने-अनजाने छोटी-छोटी बातों से उत्पन्न झगड़े भी आपसी कड़वाहट का कारण बन जाते हैं।

(क) पड़ोस का सामाजिक जीवन में क्या महत्त्व है?

(ख) पड़ोसी के साथ सामंजस्य बिठाना हमारे हित में क्यों है?

(ग) विश्व-बंधुत्व की भावना जगाने के लिए हमें कौन-से कदम उठाने होंगे?

(घ) पड़ोसी से खटपट के प्रायः क्या कारण होते हैं?

(ङ) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

14. निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए : 5

हिमालय से सतलुज, व्यास, रावी, चिनाब, झेलम, सिंधु, गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र आदि अनेक बड़ी नदियाँ निकलती हैं। अनगिनत छोटी नदियाँ व जलप्रपात भी हिमालय से निकलते हैं। मेरे मन में रह-रहकर यह इच्छा उठती रहती है कि मैं इन सबके निकास को अपनी आँखों से देखूँ। इन नदियों के तटों पर उगे बड़े चीड़, देवदार, अमलतास, कैल, कैथ आदि नाना प्रकार के वृक्षों को देखकर अपने नयन तृप्त करने को मेरा मन तरसता है। मेरी आकांक्षा है कि मैं बादाम, अखरोट, नेवजा, सेब, नाशपाती, खुबानी के पेड़ों और बागों को देखूँ। केसर की क्यारियों को देखूँ और सूर्योदय के समय पिघले चाँदी वाले हिमशिखरों को निहारूँ, सूर्यास्त के समय पिघले स्वर्ण वाले हिमशिखरों की शोभा को निहारकर उस लीलामय की अद्भुत लीला का गुणगान करूँ।

15. अपने भाई के विवाह में शामिल होने के लिए मित्र को निमन्त्रण-पत्र लिखिए। 5

अथवा

नगर निगम के अध्यक्ष को पत्र लिखकर उखड़ी व टूटी सड़क की शिकायत कर उसे ठीक करने का निवेदन कीजिए।

16. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबंध लिखिए। : 10

(क) जीवन में योगाभ्यास का महत्त्व

(ख) जैसी संगति बैठिए तैसोई फल होत

(ग) मेरा देश

(घ) वर्षा ऋतु

★ ★ ★